D B Corp Ltd. **Investor Presentation**

October 2022















India's Largest Newspaper Group | 12 States | 61 Editions | 3 Languages

Disclaimer

Some of the statements made in this presentation are forward-looking statements and are based on the current beliefs, assumptions, expectations, estimates, objectives and projections of the directors and management of Dainik Bhaskar Group (DB Corp Ltd.) about its business and the industry and markets in which it operates.

These forward-looking statements include, without limitation, statements relating to revenues and earnings.

These statements are not guarantees of future performance and are subject to risks, uncertainties and other factors, some of which are beyond the control of the Company and are difficult to predict. Consequently, actual results could differ materially from those expressed or forecast in the forward-looking statements as a result of, among other factors, changes in economic and market conditions, changes in the regulatory environment and other business and operational risks. DB Corp Ltd. does not undertake to update these forward-looking statements to reflect events or circumstances that may arise after publication.













D B Corp Ltd - The Largest Print Media Company In India

Major Business Brands















Hindi Newspaper

Gujarati Newspaper

Marathi Newspaper

FM Radio Network

Digital & Mobile

11 States, 43 Editions

2 States, 8 Editions

1 State, 6 Editions

7 States, 30 Stations

4 Portals & 3 Apps

DB Corp Markets

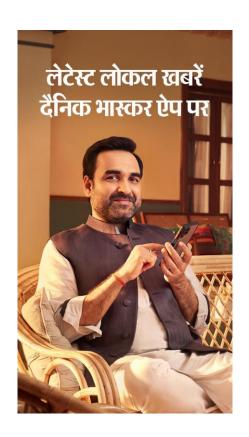
Madhya Pradesh	Dominant
Chhattisgarh	Dominant
Haryana	Dominant
Chandigarh	Dominant
Rajasthan	Dominant
Gujarat	Leader in Ahmedabad Close No.2 in top 6 cities of Gujarat
Bihar	Close No.1 within a very short span of time Further investing in copies for overall leadership
Punjab	No.1 in Top 4 cities
Maharashtra	Limited to Central Maharashtra
Jharkhand	Overall No.2 in terms of circulation in urban cities

Digital Business





Following the approach of a multi-modal leader delivering high – quality content and best news products









Engaging features that attracts & brings users back to us









Various innovative strategies are putting differential value, driving loyal consumer base









Personal involvement of readers, encourages frequent engagement







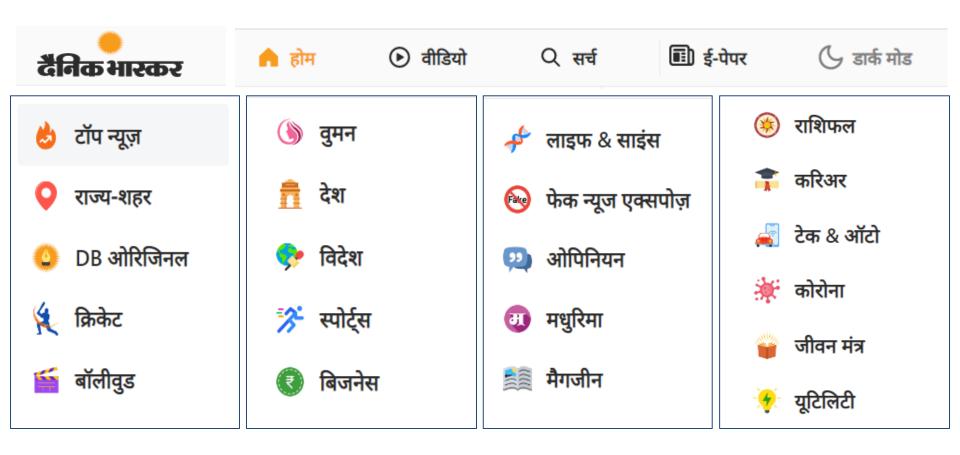
Hyper local and illustrative news keeps up the interest of readers







Serving all age groups interests in the society



Digital MAU

News Apps (Monthly Unique Visitors - Millions)	Jan- 2020	Jul- 2020	Jan- 2021	Jul- 2021	Jan- 2022	Aug- 2022
Dainik Bhaskar (Mobile App)	1.6	4.8	6.2	10.2	13.6	12.0
Divya Bhaskar (Mobile App)	0.5	1.4	1.6	2.7	3.7	3.2
The Times Of India - Vernacular	13.0	13.3	8.1	6.0	4.5	3.8
Aaj Tak (Mobile App)	3.8	8.6	5.1	4.2	4.1	4.3
ABP Live News (Mobile App)	3.6	2.3	1.5	1.5	1.0	0.8
Dainik Jagran Hindi News (Mobile App)	0.3	0.6	0.4	0.6	0.7	0.5

Source: Comscore Mobile Metrix Media Trend, All, Custom List of News Apps (Dainik Bhaskar (Mobile App), DIVYABHASKAR (Mobile App), Aaj Tak (Mobile App), ABP Live News (Mobile App), Dainik Jagran Hindi News (Mobile App), The Times Of India - Vernacular, The Economic Times), Total Audience, Jan-20 to Aug-22, India
* excluding aggreegators

Print Media Maintaining Editorial Excellence

- At Dainik Bhaskar we follow the truth wherever it may lead us, this informs our fearless editorial philosophy of putting relevant stories above all else.
- We are independent which makes our variant of journalism free from bias and endears us to our readers
- The courageous efforts taken by our editorial team during the COVID 19 has been acknowledged and awarded at various local as well as global platforms.
- Our endeavour is not just to produce the best journalism, it is also to provide the best experience to our audiences.
- Our editorial team constantly has its ear to the ground, every three months our 3000 + editorial force goes to the field and meets readers for collecting their feedback.



भोपाल में पहली बार इतने संक्रमितों का अंतिम संस्कार, रिकॉर्ड में सिर्फ 4

f 112 मौतें

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

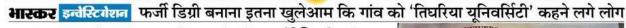
सरकार, आप कारोगा सक्रामता के अंकड़े नहीं हिण्याती तो शायर आज हम भीपाल वालों को अपनों की इतनी चिवाएं नहीं उत्ताना पड़ती। शायद, हमारे अपने यूँ कक्र में रापन हमारे अपने यूँ कि स्वामित के आंकड़े हिण्याएं और संक्रमितों के आंकड़े हिण्याएं और संक्रमितों के अंकड़ के हैं रमशानों में आफ है. पूर्व रमानों में स्वामित के रापन यूँ स्वामित व्यक्ति व्यक्ति के रापन स्वामित स्वामित

गुरुवार को भोषाल में 14-का होरोगा संक्रमिति का अधित मंदिर हुआ। भदभदा में 72, मुभाव नगर में 30 राहा संस्कार हुए और झदा किंग्स्वान में 10 शाबों को एकन केवा गया। लोकन सरकारी आहें में भोषाल में आज भी सिर्फ 4 मौते दंग की गई। फिछले पांच दिनों में 15-6 संक्रमिती का अधित संस्कार भोषाल में हुआ। लोकिन सरकारी आंकड़ों में इसकी संख्या सिर्फ 21 ही बार्क्ड गुढ़े। तो सम्माला में ये शाब केसके हैं? ये तस्वीर बेहद भयावह है, इस्तिल्प सिर्फ एक बात-

कोरोना डेथ कार्ड		भोपाल अपडेट			
शहर के विश्राम घाट और कब्रिस्तान	15 अप्रैल को कितने शव पहुंचे		कोविड प्रोटोकॉल के तहत अंतिम क्रियाएं		
सभाष नगर विश्वामधाद		0	30		
भवभवा विश्वामधाट	8	В	72		
झदा कब्रिस्तान	17	7	10		
कुल	15	5	112		

Investigative Journalism

We not only expose deficiencies in the system, but we demand accountability leading to solutions



यहां 500 से 5 हजार में बनते हैं फर्जी डिग्री. पैन व आधार: पूर्व शिक्षा मंत्री की बीए की मार्कशीट भी बना दी

पडोसी जिलों के अलावा यपी तक से आते हैं फर्जी दस्तावेज बनवाने...



करौली का तिघरिया गांव। यह गांव यूपी व पूर्वी राजस्थान में तिर्घारया यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता है। फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह से भास्कर ने 3 हजार रू. में पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा की बीए की तीनों इंयर की फर्जी मार्कशीट बनवाई। इस गांव में फर्जी दस्तावेज बनाने का धंधा गह उद्योग का रूप ले चका है। अब तो यहां यपी से भी लोग फर्जी दस्तावेज बनवाने आ रहे हैं। यहां किसी भी कॉलेज की ग्रेजपशन/पीजी की दिशी. पैनकार्ड, आधार, राणन कार्ड, बोटर आईडी समेत अन्य दस्तावेज बनाए जा रहे। तिघरिया हिंडीन सिटी से 17 किमी दूर है। यहां 600 से ज्यादा घरों में करीब 3500 की आबादी है। भारकर पहताल में सामने आया कि फर्जीवारे में यवा गिरोह बनकर काम कर रहे हैं। इनके घरों में ही सेंटर बने हैं। क्षेप | पैज 9

तिघरिया यूनिवर्सिटी में SAL F ₹1500 में 10वीं की

₹3000 में बीए की ₹2000 में 12वीं की | ₹4000 में बीकॉम

कोई भी युनिवर्सिटी की डिग्री हो एक रेट @3000 रुपए







धमाका ऑफर

8000 ₹

में इंजीनियरिंग

मार्कशीट मिलेगी

भारकर रिपोर्टर ने 3 हजार रुपए देकर बीए और एक अन्य फर्जी मार्कशीट बनवाई। अगले दिन बदमाशों ने करौली के सरकारी कॉलेज की मार्कशीट बनाकर दे दी। बीए प्रथम वर्ष की मार्कशीट में 301 अंक, द्वितीय में 284 व तृतीय वर्ष में 318 अंक दिए।



सव जानने के लिए मास्कर रिपोर्टर ने शिवकुमार से वर्तमान शिक्षा मंत्री बीडी करला और पूर्व शिक्षा मंत्री गोविद सिंह डोटासरा की बीए की मार्कशीट बनाने के लिए कहा। शिक्कमार ने करला की मार्कशीट बनाने से तो इनकार कर दिया, लेकिन डोटासरा की मार्कशीट बनाने के लिए तैयार हो गया। उसने इसके लिए 3 हजार रु. लिए। इसके बाद शिवकुमार ने डोटासरा की बीए की फर्जी मार्कशीट बनाकर दे दी. जिसमें डोटासरा को करीती के सरकारी कॉलेज से पास होना बताया गया है।

बना बनाया फॉर्मेट होता है. सिर्फ नाम और नंबर बदलते हैं: सहीराम

रिपोर्टर: भाई साहब... सेना की डायरी बनवानी है। सहीरामः तुम्हें मेरे पास किसने भेजा। रिपोर्टर: विजय ने बोला था गांव में जाकर किसी से भी पुछ लेना सहीराम का घर कीनसा है, कोई भी बता देगा। इस्रांना हम पत्रते-पत्रते आ गए।

जवान रहते हैं। जो महासे ही अलग-अलग दस्तावेज बनवाकर ले जाते हैं। पहले कई लोग हमसे दस्तावेज लेकर

मेजा में गए थे। वे किसी की ओरिजनल 10वीं-12वीं की सहीरामः बना देंगे। 1 हजार लगेंगे। तुम सेना में हो क्या? मार्कशीट लाते थे और हम उसमें नाम बदल देते थे। 40 हजार से अधिक फर्जी मार्कशीट | गाडी की आरसी 5000 रुपए में बनाई

कम लागत

बनाई जा चुकीं... : 20 सालों में अब तक 40 हजार से अधिक फर्जी मार्कशीट बनाई जा चकीं। 1 लाख गाडियों के भी फर्जी दस्तावेज बनाए जा चुके हैं।

जाती है : आधार कार्ड, आईडी, सेना की लीव डायरी, राशन कार्ड जैसे दस्तावेज 500 रू. तक में बनाए जाते हैं। आरमी फिटनेस के 5000 हैं, लिए जाते हैं।

रिपोर्टर: मैं तो नहीं हं... मेरा एक परिचित है।

स्क्रीरामः पैसे कम नहीं होंगे। यहां आस-पास सेना के कई

ખાણોમાંથી કાઢવામાં આવેલો 60 લાખ ટન કોલસો સરકારી અધિકારીઓ અને વેપારીઓએ 'રસ્તામાં જ ગાયબ' કરી 6 હજાર કરોડનું કૌભાંડ કર્યું

• ડમી નામથી ચાલતી કે જેનું અસ્તિત્વ જ નથી તેવી એજન્સીઓ સાથે મળીને બાબઓએકોલસા કૌભાંડ આયર્યું

કોલ ઇન્ડિયાની વિવિધ કોલસાની ખાલોમાંથી નીકળતો કોલસો ગુજરાતના લધુ અને મધ્યમ કથાના ઉદ્યોગોને આપવાને બદલે ગુજરાત કથાના ઉમોરોને આપવાને બદલે ગુજરાત મદાવદ વાદા નામાંદિત કરાયેલી એજન્સીઓ ભારોભાર મન્ય રાશ્યોના ઉભોગોને વેચી દે છે અને તારાે નહી સમાઈ લે છે. દિલ્લ ભારત દેવની ભારાસમાં ભઢાર આવ્યું છે કે છેલ્લાં 14 વર્ષથી, આ રીતે આવતો. કોલાસે આ એજન્સીઓએ કલાબજાદીમાં વેચી દઈ હ લાભ દ શરેડ દૂપિયા અલીત દેશાત આવતાં કે

ગાસર સરકાર વિગાળના એ તમામ અધિકારીઓ, કોલસા ટ્રાન્સપોર્ટ ચેઈન સાથે સંકળાયેલા પદાધિકારીઓ પાસે જ્યારે કોલસો સંક્રમાંથલ પાક્રીયારીઓ પાસે જ્યારે કોલ્લો ગાયભ પારાની હોર્કિક જાણવા પાયાને કોલ્લો દરેકે આ મુકે 'તો કોલ્યુસ' કહીને મોન સાથે લીધું છે. પ્રાપ્ત માદિતી પ્રમાને તમાર શું કોલ્યુ વિપામી ખાસોમાંથી પુત્રસના પાર્ચાણી માટે 60 લાખ રન્ન કેલ્લાને મોકલામાં છે. પ્રતિ રન્ન સર્દેશાક 3, 3000માં ભાગના હિસામાં સ્ત્ર 3,1800 કડીંડ થવા જાય છે. સ્ત્રેક, કોલ્યાનો સ્ત્ર જાઓ શામાર્થી નાના વોપાર્ટી અને લાધું કિલ્યોનો વેચાનો બલાકે 3, હ્યાં 10 હાલ્યા દરિક તનના વેચવાને બદલે રૂ. કથી 10 હજાર પ્રતિ ટનના ભાવે અન્ય રાજપંત્ર ખેકિય વેવી કેવા છે. દમી નામથી સાતતી અપવા છેનું અહિંત જ નથી તેવી એપ્બલીઓ અને ગુજરાત હરકરના કેટલાંક અધિકારીઓ નામ પાનીન માં કિલાંક સવારી રહ્યા છે. જો લાગ સંકૃષ્ટિયા અંતાજ હગાપીએ તો આ કોલકાના કાળ કાર્યોય દ પાકામ અન્યાર સુધીમાં હ લાગ કરોડ ફરિયા કૃપીને કંકમાં હવું તેવાનું કિલ્મ ભાવતની તાપાત કાર્યિયાન ભાદર સામ્યું છે. (રાલુકાંકાનારેલ્લાઓ કાર્યિયાન ભાદર સામ્યું છે. (રાલુકાંકાનારેલ્લાઓ ભાવે અન્ય રાજ્યમાં ભોકમાં વેચી દેવાય છે.

હવે જાણો-સમજો કેવી રીતે થયું ગુજરાતમાં આ કોલસા કૌભાંડ

ભારત સરકારે વર્ષ 2007માં દેશભરમાં લઘુ ઉદ્યોગોને સત્તા દરે સારી ગુણવત્તા પ્રદાવનો કોકરાં ઉપલબ્ધ કરાવવાની મીતે બનાવી હતી. બીજ જ વર્ષ 2008માં તેને લાગુ પણ કરી દેવાઈ, આ નીતિ અંતર્ગત ગુજરાતના લઘુ ઉદ્યોગોના લાભાર્યો કેલ ઈન્ડિયાના થાયમાંથી કોલરતે લાવવામાં આવે છે. વેના માટે દર મહિને ઓર્ડિસના ફિસ્માને પોલ્સમને ઘરટ કોલ ફિલ્ડમાંથી કાઢીને રવાના કરવામાં આવે છે.

રસાદ વાત એ છે કે, ગુજરાત સરકારે કોલસાના લાભાર્થી ઉદ્યોગોની યાદી, તેના માટે જરૂરી લાભાવી ઉપાયાના યાદી, તેના માટે જેવુંચે કેલલાનો જ્યારે, કઈ એજન્સીના માખમથી પ્રાપ્ત કરાશે, આ અને એવી તમામ માહિતી કોલ ઈન્પિયાને મોકલવાની હોય છે. પરંતુ ડિવા ભારતે કરેલી તપાતમાં કોલ ઈન્પિયાને મોકલવામાં આવેલી માહિતી ઘણે એટે ખેટી જોવા મળી છે.

ગુજરાત સરકારે કોલસાના લાભાર્થી ઉદ્યોગોની યાદી મોકલી, પરંતુ તેમણે કહ્યું- કોલસો તો મળ્યો જ નથી - કિલોર આતેના ક્લિકેક જલ જગાદીક - જનારખંગી જ કેલતો ખરીદીએ છીએ.' એકોર્કેક સ્ટિકેટને ભાગાથી કરાવાયા છે. - એ એન્ડ એક કિલાઈક્રેટિસ ક્લાના શાન જલ જણાદિક એકોર્કિન્ડ સ્ટીટના જગાદિક - આશ્રીએ કહ્યું કે, આગ્રા કોઈ કોલતાને જલ જવારીમાં અલાકા દુખની ખેતા જવારીકા અંકોલો દિલા લાકારને કહ્યું કે. ખાને તેમે ક પ્રેલા ખાલા નાથી કે અમને સર કાર નારાથી કોઈ કોલાએ પ્રાપ્ત થાય છે. આ બાલને અન્યરા સુધી અમાર્ગ કોઈ સંધાર્થ પાલ અમારા સુધી અમાર્ગ કોઈ સંધાર્થ પાલ સાધવામાં આવ્યો નથી. અમે તો સ્થાનિક કીઈ કોલાએ અમને મોથો પાં છે.

નાસાડીય વર્ષના હિસાએ કોલસાના જવ્યા, સંબંધિત

ਅਕਲਰ ਗਲਬਾਟ : ਜ਼ੇਗ ਹੀਵਿਆਦੀ ਵੇਲਕਦਨਿ ਪਤ

કયા વર્ષમાં કેટલો કોલસો એજન્સી દીઠ ફાળવાયો

નિમાચેલી એજન્સીઓ કાદિયાવાડ કોલ કોક ક-લાયુમાં એન્ડ ટ્રેડર્સ મેસોસિયેશન (અલ્લ - ગુજરાત કોલ કોક ટ્રેડ એસોસિયેશન (અમદાવ - સોરાપ્ટ્ર પ્રિકવેટિંગ ઈન્ડરફીઝ એસોસિયેશન (અમદાવાદ)

મેજનીએ દર વર્ષે સ્થારતના સામાર્થી ઉદ્યોગોન નાખવી કાલમાનો જથો કોલ ઇનિંગા પાલેવી ખરીક તો છે, પરંતુ તેને લાભાવીઓને આપવાને ભાકો ખુલલ વ્લારમાં કિંચા ભાવે તેની અભલે ટૂપિયાની કમાત્રી ઓડિયા કડી જાય છે. આ ખેલ માટે આ એજન્સીઓએ નકલી બિલ બનાવી ઈન્કમ્ટેક્સ, સેલ્સ ટેસ્સ અને લખેસદીમાં પણ ચોંડી કરી હોવાની સૌરાષ્ટ્ર વિક્રવેટિંગ | ત્રીજ એજન્સીનું સરનામું સીજ રોડ ખાતે મતાવામું છે અને ત્યાં જાનિ જ્યારે અમે તપાસ કરી તો

ગુજરાત સરકારના અધિકારી

ાંકલ દુધાર, મુખ તરિકા ! સમાત્ર ભાગત ઉદ્યોગ દિવનાંગ લાધે સંબંધિત છે. મારા ખ્યાનમાં આવી કોઈ વાત નથી. ઉત્યોગ વિભાગના અધિતારી અને ઉદ્યોગ કરિયાનાનો પૂછાતો તો જાલા પ્રવાદી. 2020 દુધાર 'ગુલા, તરિકા મુખ તરિયા ! પ્રાપ્ત ભાગતાનો મા જાજાજાજી કહું જેવા. કાલ લાવવા કે પૂર્વ સાવવાના કુવ્યું સાધ્યત્ર - મહિલ મુંદર, તિમાં કહિલાના અંગાઈ આ નીતિ દિવારો કરિયાનને કરેદી અંતરાંત લાગુ હતી. હવે તે MSME કરિયાનના તાળા હેલા છે. - ૧૯૦૬૧૦ કુંચર, અંબલાભાગીક્ષીભાગ આ નીતિ હેલા હાલ પણ કોલામાં આવે છે, પાંતુ હું ઉત્તર પારેશ ચૂંટલી અવસ્થા થઈ હશે છું. એટલે કંઈ પાલ જાણાથી શહું નહીં. - ટેક્ટુલ ભટડાળ, સ્કૂહ્ય ઉદ્યોગ પ્રશ્નિકા આ મારિતી આપવામાં થોડે સમય લાગશે. ત્યાર પછી વારંવાર તેમનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હોવા છતાં કોઈ જવાબ મળ્યો નથી.

<mark>કોલાઇન્ડિસા'માં ટોરાતા પદપર આ</mark>દિ ચુકેલા એક ઉચ્ચ અધિકારીએ કર્યું કે, 'ગુજરાતમાં થશે મોટો ભ્રષ્ટાચાર થયો છે. ગુજરાત સરકાર્ય તો ખરેખર કોલ ઈન્ડિયાને સંપૂર્ણ મહિતી પૂરી પાટાની હોય છે પહેતુ ગુજરાત સરકાર પક્ષ આ ભાગતે ગોલમાલ આચરતી રહી છે.

કાઠિયાવાડ કોલ કોક કન્ક્સ્યુમર્સ એન્ડ ટ્રેડર્સ એસોસિવેશન આ એજન્સીએ પોતાની રકિસ્ટર્સ ઓક્સનું સરનામું સીંજ વેદ ખાતેના એક ખાનગી કોમ્પ્લેક્સમાં જણાવ્યું છે. સત્ય એ છે કે, આપવામાં આવેશ સરનામાં પર અત્યારે એક સીએની ઓકિસ છે, જે આવવામાં આવેલા કરનામાં પર અત્યારે એક કોંચની આફેલ છે, જ મેલ્લા ચાર વર્ષથી ચાલે છે. આ અગાઉ આ દોમ્પ્લેક્સ બનું તેનાણી પહેલા અહીં કંઇને એડિંગનથી ઓફિલ હતી. સ્થાનિક લોકોએ કહ્યું કે, હોલસાના વેપાર સાથે સંક્ષ્યાલેથી કોઈ સંસ્થા-કર્મ-ઉપયોગી ઓફિસ આ કચેરી જ નહીં પહેલું આ લખલ કોંચ્લેક્સમાં પણ ક્યાંય ન હતી.

ગુજરાત કોઇ કેઇ ટ્રેડ સોસીકિસંદાત આ એપન્થીએ પોતાની ઓહિમનું હવનાનું અમહાવાનો એહિસીલાં વિદ્યાસ જેવાઓ છે. એ બાં લઈને વાર્ક કરી તો આ માને કોઇ કહતા નવે પાસ શોન કરો એક વાણદી એપનથી 'એક ડાયચે' કાઈતા છે. આ એપન્થીના માહિક તાનેન આદી હેલાલીએ કહ્યું કે, અને કોઇનાનો તેમુક્તે જ્યો ક. પુષ્ટાનાના વેપારીઓને સંધીને કરીકે.

सफर तय कर इस गैंग की सारी जानकारी जटाई भारकर ने बीडियो महित सारी डिटेल प्रलिय को उपलब्ध करहें, जिस पर बधवार को एसटीएफ ने मख्य सरगना महेश सोलंकी सहित आठ बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। 75 रुपए किलो की गैस को ये टैंकर डाइसमें से 22 रुखा में खरीट मध व प्रमाणक के कर पेटोल पंच वेरिलंग कंपनियों और करते प्रेंग के बदारों की

सनीत सिंह बहेता समित दवकर | इंदौर

वाले हाईवे पर बड़े टैंकरों से एलपीजी चोरी करने

वाला अंतरराज्यीय गिरोह सक्रिय है। यह हाईवे पर

फैले ढावों, तीलकांटों के नेटवर्क की मदद से हर

रात 200 से ज्यादा टैंकरों से 50 टन तक गैस

चरा रहा है। भारकर ने चार दिन में 600 किमी

फेब्रिकेटर्स को 44 रुपए किलो में बेच देते थे।

पिटोल बैरियर पर रात 3.30 बजे गैस चोरी



• प्रिटोल बेरियर पर भारकर टीम ने ढावों की

टैंकरों से गैस की चोरी.

चोरी की गैस होने का काम पुराने, रिजेक्ट्रेज टैंकर से हो रहा था. लॉक फ्कड़े जाने पर बड़ा नकसान ना हो। टैंकसं पर कंपनियों के नाम, लाइसेंस नंबर व लोगो भी असली की तरह बने हुए हैं। मुख्य सरगना महेश के नाम रजिस्टर टैंकर एमपी ०१- केसी 8027 वर्ष 2003 का है, जिसका 3 सालों से ना तो टैक्स भग गया है और ना ही फिटनेस हजा है। सोलंबी का ही

टैंकर एमपी-०७ केमी 3677 पेटील

पंप में चोरी की गैस खाली करते हुए

पहले भी फ्कड़ा जा चका है।

ढो रहा था गैंग का सरगना

भारकर ब्रेकिंग • 4 दिन में 600 किमी सफर कर **भारकर** ने जटाई जानकारी, जिसके आधार पर STF ने 8 बदमाशों की पूरी गैंग को गिरफ्तार किया

की चोरी हर दिन हो रही थी किमाई से 10 होस्टल बनाए आरोपियों ने एसटीएफ को बताया कि | गैंग के सरगना महेश के इंदौर में 10 मप्र में छह पोईट पर 54 हजार किलो | से ज्यादा होस्टल हैं। 20 साल से गैस गैस की चोरी एक दिन में कर लेते थे। | चोरी के रैकेट से जुड़ा है। भाई शिखा यानी 40 लाख 50 हजार रुपए रोज की गैस चोरी। हर माह 12 करोड़ की गैस | मुनीम बनवारी (गुजरात पॉईट) गैंग चुरा लेती थी। एसटीएफ टीआई | प्रतीक नावले (मंडला पॉइंट) भी गैंग ममता कामले के अनुसार, आरोपियों | में शामिल हैं। शहर के कछ पंप को को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिख है। | भी गैस बेचने की बात कवल की है।

19 साल पुराने टैंकर मे गैस | 54 हजार किलो एलपीजी | 20 साल से कर रहे चोरी.

15-20 मिनट में ही चुरा लेते थे 5-6 टन गैस

सरगना महेश ने धार में एलपीजी की टेकियों से गैस चुराने से शुरू किया था। 5 एचपी की मोटर से 15 से 20 मिनट में 5 से 6 टन गैस दसरे टैंकर में भर देते थे।

सोलंकी, मनीप सोलंकी (मैनेजर)

इंदौर का सरगना प्रदेश के 6 ठिकानों पर हर

• महीने चुरा रहा था 12 करोड़ रु. की एलपीजी

करई। इसमें महेश मोलंबी और उसकी परी गैंग को करतत मामने आ गर्र। अभी आत की गिरफ्तार किया है इनमें चार सरगना तो चार ट्रक ड्राइवर रही है। - विधिन

माहेश्वरी, एडीजी

प्रस्टोएक

LOUBE LANGE LANGE LANGE LANGE LANGUAGE MEDIA BRAND ENABLING SOCIO-ECONOMIC CHANGE

Continues to strengthen our ground position through circulation expansion strategy

- We stand at a readership of 6.63 Cr as per the IRS 2019 Q4 report.
- Q2 FY 2022-23 has been full of opportunities and efforts with satisfactory results.
- With a combined effect of various initiatives taken and the team work towards higher acquisition, we managed to get the maximum benefit with optimum growth and increased market share by the end of Q2.
- We launched One Nation One Number helpline for ease of bookings.
- In the rebooking markets like Maharashtra, Bihar, Jharkhand we have taken a marginal CP increase in this quarter
- Dainik Bhaskar once again relied on it's pioneered approach of PCC (Personal Contact Campaign) and started door-to-door surveys so as to get the new readers as well as the readers who have suspended the copies due to COVID.
- We successfully launched a brand campaign "Sachi Vaat Bedhadak" in Gujarat, which was further launched nationally with a tag line of "Sachi Baat Bedhadak".

MY FM continues to augment Audience-Connect and listeners' engagement activities.

- Launched in 2006, 94.3 MY FM operates from 30 stations in 7 states
- 94.3 MY FM continues to be no.1. in markets of Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Rajasthan and largest network in Chandigarh, Punjab and Haryana.
- Strong connect to our audiences continues to be the hallmark of our radio product- as our roster of influencer RJs interact with our listeners through various handles.
- To celebrate the auspicious occasion of Navratri, MY FM team organised 9 days on ground event called the "Garba Nights". This event was unique in many ways from witnessing various artists performing each day, food stalls and on-air sound of the station giving a complete Navratri feel.
- MY FM in collaboration with Zee news hosted a talk show named "Din ki Achchi Shuruaat".
 This 3-week long association featured MY FM's prominent RJs in the morning news segment of Zee news which was aired between 9 am to 9.30 amld
- We had taken a high teen rate hike which is helping radio to perform well, additionally, helped by the yield growth.

Robust Financial Performance

















Consolidated Snapshot



Advertisement Revenue (Rs. mn)

DB Corp Ltd



दैनिक भारकर

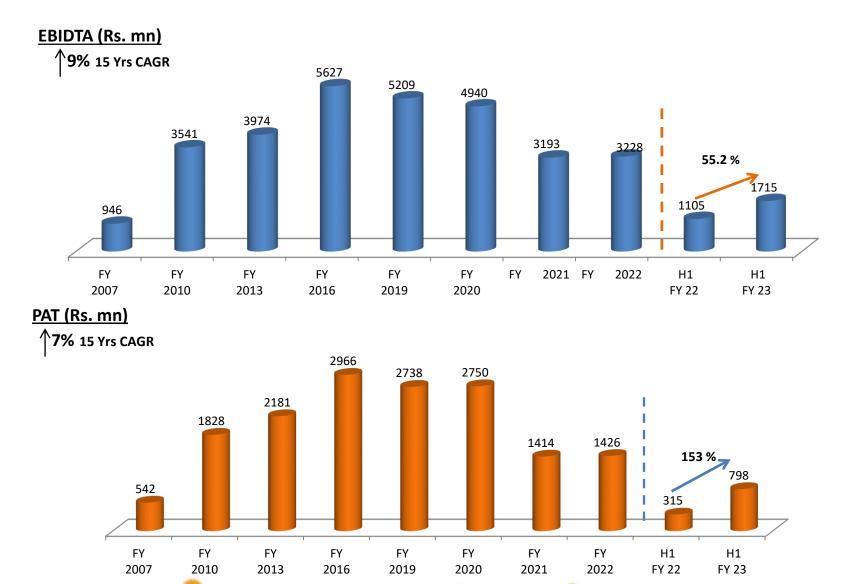
દિવ્ય ભાસ્કર

दिव्यैं मराठी

दैनिक भारकर હિલ્ય ભાસ્કર

Consolidated Snapshot

DB Corp Ltd



दिव्यैं मराठी

દિવ્ય ભાસ્કર

दैनिक भारकर

હિલ્ય ભાસ્કર

दैनिक भारकर

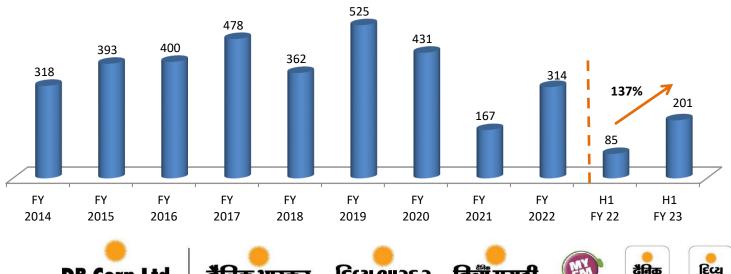
Radio Snapshot

Total Revenue (Rs. mn)





EBIDTA (Rs.mn)











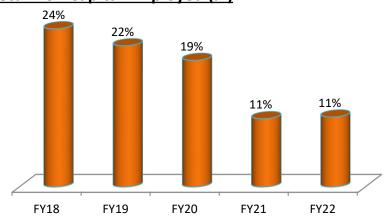




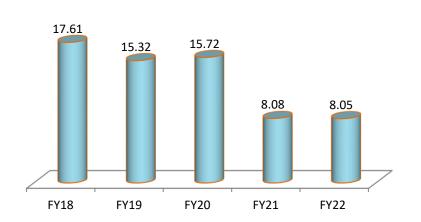


Proven Track Record of Strong Balance Sheet

Return on Capital Employed (%)



Earning Per Share (Rs.)



Return on Net Worth (%)



Dividend Payout (with tax & buyback) (%)

















Financial Summary

	Year Ended			Quarter Ended		
Particulars (INR million)	FY20	FY21	FY22	Q2 FY22	Q2 FY23	Growth %
Advertising Income	15640	10084	11827	3029	3812	25.9%
Circulation Revenue	5122	4146	4558	1159	1156	-0.2%
Total Income	22363	15222	17885	4513	5461	21.0%
Newsprint	-7664	-4217	-5533	1283	2179	69.8%
Personnel Cost	-4181	-3794	-3751	952	929	-2.5%
Other Operating Expenditure	-5578	-4019	-5374	1223	1376	12.5%
Total Expenditure	-17423	-12029	-14657	3458	4483	29.6%
EBITDA	4940	3193	3228	1054	977	-7.3%
EBITDA Margin	22%	21%	18%	23%	18%	
Net Profit	2750	1414	1426	538	488	-9.3%
Net Worth	16784	18229	18261	18261	18590	
Secured Long Term Gross Loan	-	-	-	-	-	
Cash & Bank Balance	1352	3125	5170	3371	4693	
Secured Working Capital Loan	1121	139	109	187	115	
Total Secured Gross Debt	1121	139	109	187	115	
Net Block (Fixed)	8956	8604	8263	8183	7876	
ROCE	23%	10%	11%	11%	15%	
RONW	20%	8%	8%	8%	12%	

Half Year Ended					
H1 FY22	H1 FY23	Growth %			
4742	7181	51.4%			
2265	2312	2.1%			
7592	10464	37.8%			
2378	4197	76.5%			
1833	1849	0.9%			
2276	2702	18.8%			
6487	8749	34.9%			
1105	1715	55.2%			
15%	16%				
315	798	153.1%			
18261	18590				
-	-				
3371	4693				
187	115				
187	115				
8183	7876				
11%	15%				
8%	12%				















Strong Balance Sheet

Networth Rs. 1859 Cr	Cash & Bank (Including MF) Rs. 469 Cr	Zero Debt
ROCE 15.3%	RONW 11.5%	Pledge of shares stands ZETO from as high as 59% in past

CSR Initiatives

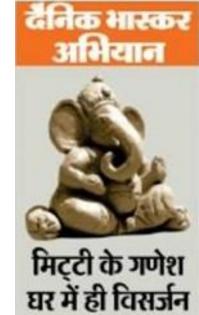
'EPEZ 2022':

 Dainik Bhaskar team administered a CSR campaign dedicated to planting trees for a better future of the next generation. Under this campaign, several digital ad campaigns were published wherein the digital ads through various creative thoughts depicting how important it is to plant trees to secure the future of the kids. The team also booked Radio Spots of 20 sec for 20 times a day accompanied by digital creatives which were published in form of print ads.



"Mitti Ke Ganesh 2022"

 Dainik Bhaskar team encouraged people through a CSR campaign for creating eco-friendly Ganesh Idols across several states. The aim was to promote idol immersion at home or in artificial ponds ensuring a step towards conservation of the environment. During this CSR Campaign, several digital ad campaigns were published along with organising "Making of Mitti ke Ganesh" competition at school level and also at various offices of DB Corp

















Awards & Accolades

- Dainik Bhaskar's Radio Division "MY FM" won 4 Gold Mikes Awards 2022 in the following category
 - i. Best First Time Effective Use of Radio: UTKARSH CLASSES
 - ii. Best on Air Promotion for client-single station: CRITICAL FILES
 - iii. Best Promotion on Digital for a client: MAHINDRA KISAN MAHOTSAV
 - iv. Best Use of Sponsorship in on-air / on-ground Promotion: 94 TREE GANESHA
- Dainik Bhaskar Team bagged AFAQS Marketers Excellence Award for "Best print ad campaign Full on Punjabi".

Board Of Directors

Sudhir Agarwal Managing Director

- 30 years of experience in the publishing and newspaper business
- responsible for its long-term vision, business planning and performance monitoring

Pawan Agarwal
Deputy Managing Director

- 14 years of experience in the publishing business
- Heads entire Production, IT and Strategy dept., with the Radio & Digital business

Girish Agarwaal
Non-Executive Director

- 26 years of experience. Awarded "Outstanding Entrepreneur" trophy at APEA
- provides direction to the marketing strategy and related operations of the Group

Anupriya Acharya*

Post Graduate from IIT – Roorkee, was Zenith Optimedia's Group CEO and now CEO of Publicis Media India

Santosh Desai *

Managing Director and CEO of Future Brands Ltd , eminent author, columnist and media critic

Paulomi Dhawan*

40 years of experience in the field of media, marketing and brand communication

Ashwani Kumar Singhal*

Vice-President of BIR Brussels, the International Authority in Non-Ferrous Metals















^{*} denotes Independent Directors



For more information, please visit our website https://www.dbcorpltd.com/













India's Largest Newspaper Group | 12 States | 61 Editions | 3 Languages